पटना से गया तक पूरी सड़क होगी फोरलेन

राज्य ब्यूरो, पटना : प्रदेश के सभी शहरों से राजधानी की ओर आने वाली सड़कों पर राज्य सरकार का विशेष फोकस है। पटना से गया जाने वाली पूरी सड़क को फोरलेन बनाया जाएगा। गया रोड, जीरो माइल से मसौढ़ी तक (एसएच वन) भी फोरलेन होगी। मसौढ़ी से आगे यह सड़क एनएच 83 में मिल जाती है, जो पहले से ही फ़ोरलेन बन रही है। पथ निर्माण विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार कर लिया है। मसौढ़ी तक 36 किमी लंबी यह सड़क अभी सात मीटर चौड़ी है।

पथ निर्माण मंत्री नंद किशोर यादव ने पहले ही एसएच वन की चौड़ाई बढ़ाने का आदेश दे रखा है। पहले इसे बेलदारी चक तक ही फोर लेन करने पर विचार किया जा रहा था। लेकिन अब मसौढ़ी तक इसकी चौड़ाई बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। विभाग के मुताबिक बिहटा-सरमेरा रोड के उत्तरी हिस्से में आबादी तेजी से बढ़ रही है और यह भाग न्यू पटना के रूप में विकसित हो रहा है। मसौढ़ी के बाद एनएच 83 को भी नया बनाया जा रहा है। डोभी तक इसे फोरलेन बनाने का काम जारी है।

पटना-गया रोड पर रेलवे लाइन के समानांतर राजधानी के मीठापुर से पुनपुन तक एलिवेटेड सड़क बनाने पर पहले से विचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले महीने ही पथ निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान एलिवेटेड पथ के मॉडल का निरीक्षण किया था।

- **गया रोड, जीरो माइल से मसौढ़ी तक (एसएच वन) भी फोरलेन होगी**
- **मसौढ़ी तक मात्र सात मीटर चौड़ी है 36 किमी लंबी यह सड़क**

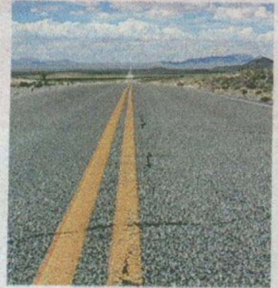

अगले माह से बख्तियारपुर-रजौली सड़क होगी दुरुस्त

राज्य ब्यूरो, पटना : जर्जर हो चुके बख्तियारपुर-रजौली मार्ग को दुरुस्त किए जाने की कवायद जनवरी से आरंभ होने की उम्मीद है। पथ निर्माण विभाग ने अगले माह से सड़क के गढ्ढे भरे जाने की योजना योजना तैयार कर रखी है।

जर्जर हो चुकी है सड़क : बख्तियारपर से रजौली सड़क बिहार से झारखंड आने-जाने के लिए महत्वपूर्ण एनएच है। यह सड़क बिहार शरीफ से आगे काफी जर्जर हो गई है। जिस कंपनी के पास इस सड़क की फोरलेनिंग का जिम्मा था उसने इस सड़क की रखरखाव पर काम नहीं किया। लंबी अवधि तक रख रखाव का मामला अधर में अटका रहा। पटना-रांची बस भी इसी मार्ग से जाती है।

अब सड़क है एनएचआइ के पास : बख्तियारपुर-रजौली सड़क फिलहाल एनएचएआइ के जिम्मे है। बीच में यह सड़क राज्य सरकार के निगम बीएसआरडीसी के पास थी। बिहार की यह पहली सड़क थी जिसे राज्य सरकार ने पीपीपी मोड में फोरलेनिंग के लिए लिया था। शून्य वीजीएफ पर इस सड़क की फोरलेनिंग होनी थी। जमीन अधिग्रहण और फॉरेस्ट क्लियरेंस में इस सड़क के निर्माण का मामला काफी दिनों तक फंसा रहा। इसके बाद राज्य सरकार ने इस एनएच को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को वापस कर दिया। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अब सड़क को एनएचएआइ को सौंप दिया है। बख्तियारपुर-रजौली सड़क की फोरलेनिंग अब एनएचएआइ की देखरेख में कराया जाएगा। एनएचएआइ को इसके लिए डीपीआर तैयार कराने का जिम्मा दिया गया है।